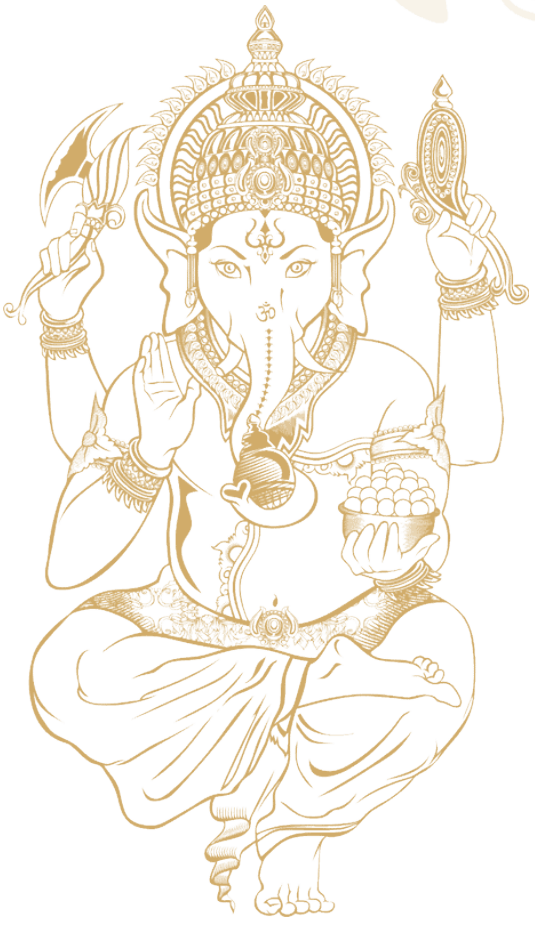

NITESH

M

Model: Horoscope-Matching

Order No: 121742601

Model: Horoscope-Matching

Order No: 121742601 Date: 29/03/2026

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
11-12/03/1996	जन्म तिथि	24/02/2001
सोम-मंगलवार	दिन	शनिवार
घंटे 06:31:00	जन्म समय	08:40:00 घंटे
घटी 59:43:55	जन्म समय(घटी)	04:23:12 घटी
India	देश	India
Kalka	स्थान	Nalagarh
30:50:00 उत्तर	अक्षांश	31:03:00 उत्तर
76:55:00 पूर्व	रेखांश	76:48:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:22:20	स्थानिक संस्कार	-00:22:48 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:37:26	सूर्योदय	06:55:22
18:28:21	सूर्यास्त	18:17:06
23:48:20	चित्रपक्षीय अयनांश	23:52:08

कुम्भ	लग्न	मीन
शनि	लग्न लग्नाधिपति	गुरु
वृश्चिक	राशि	कुम्भ
मंगल	राशि-स्वामी	शनि
ज्येष्ठा	नक्षत्र	पू०भाद्रपद
बुध	नक्षत्र स्वामी	गुरु
1	चरण	1
वज्र	योग	सिद्ध
बव	करण	बव
नो-नौनिहाल	जन्म नामाक्षर	से-सेविका
मीन	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मीन
विप्र	वर्ण	शूद्र
कीटक	वश्य	मानव
मृग	योनि	सिंह
राक्षस	गण	मनुष्य
आद्य	नाड़ी	आद्य
सर्प	वर्ग	मेष

शर्मा डा.जगदीश
नव्यव्याकरणाचार्य एम.ए एम.फिल् पी- एच.डी. यू.जी.सी. स्कॉलर
7018169448
jagdish0069@gmail.com

ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
बुध 13वर्ष 10मा 4दि		24:39:54	कुंभ	लग्न	मीन	18:24:51	गुरु 15वर्ष 7मा 3दि	
शुक्र		27:56:06	कुंभ	सूर्य	कुंभ	11:42:12	शनि	
15/01/2017		19:08:23	वृश्चि	चंद्र	कुंभ	20:20:22	28/09/2016	
15/01/2037		26:20:35	कुंभ	मंगल	वृश्चि	10:54:33	29/09/2035	
शुक्र	17/05/2020	13:44:30	कुंभ	बुध व	मक	21:40:26	शनि	02/10/2019
सूर्य	17/05/2021	19:40:00	धनु	गुरु	वृष	08:46:49	बुध	11/06/2022
चन्द्र	16/01/2023	12:46:58	मेष	शुक्र	मीन	20:45:23	केतु	21/07/2023
मंगल	17/03/2024	02:57:14	मीन	शनि	वृष	01:01:47	शुक्र	19/09/2026
राहु	17/03/2027	23:33:25	कन्या	राहु व	मिथु	20:27:47	सूर्य	01/09/2027
गुरु	15/11/2029	23:33:25	मीन	केतु व	धनु	20:27:47	चन्द्र	02/04/2029
शनि	15/01/2033	09:26:53	मक	हर्ष	मक	27:47:26	मंगल	12/05/2030
बुध	16/11/2035	03:19:06	मक	नेप	मक	13:27:23	राहु	17/03/2033
केतु	15/01/2037	09:17:57	वृश्चि व	प्लूटो	वृश्चि	21:16:26	गुरु	29/09/2035

व - वकी स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

23:48:20 चित्रपक्षीय अयनांश 23:52:08

लग्न-चलित

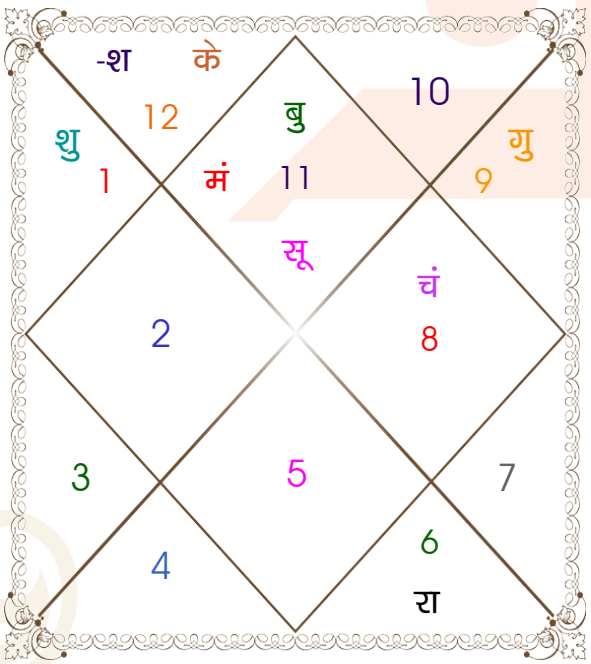

लग्न-चलित

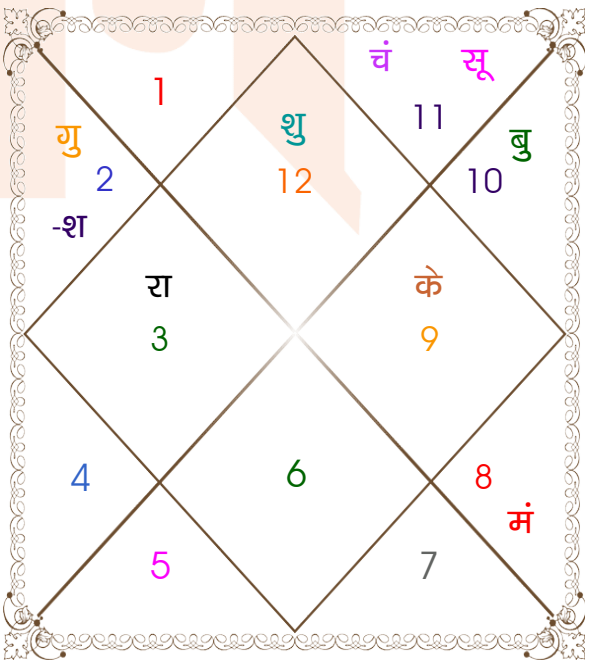

शर्मा डा.जगदीश
नव्यव्याकरणाचार्य एम.ए एम.फिल् पी- एच.डी. यू.जी.सी. स्कॉलर
7018169448
jagdish0069@gmail.com

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	शूद्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	कीटक	मानव	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	विपत	मित्र	3	1.50	--	भाग्य
योनि	मृग	सिंह	4	1.00	--	यौन विचार
मैत्री	मंगल	शनि	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	मनुष्य	6	0.00	हाँ	सामाजिकता
भकूट	वृश्चिक	कुम्भ	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	आद्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	12.00		

कुल : 12 / 36

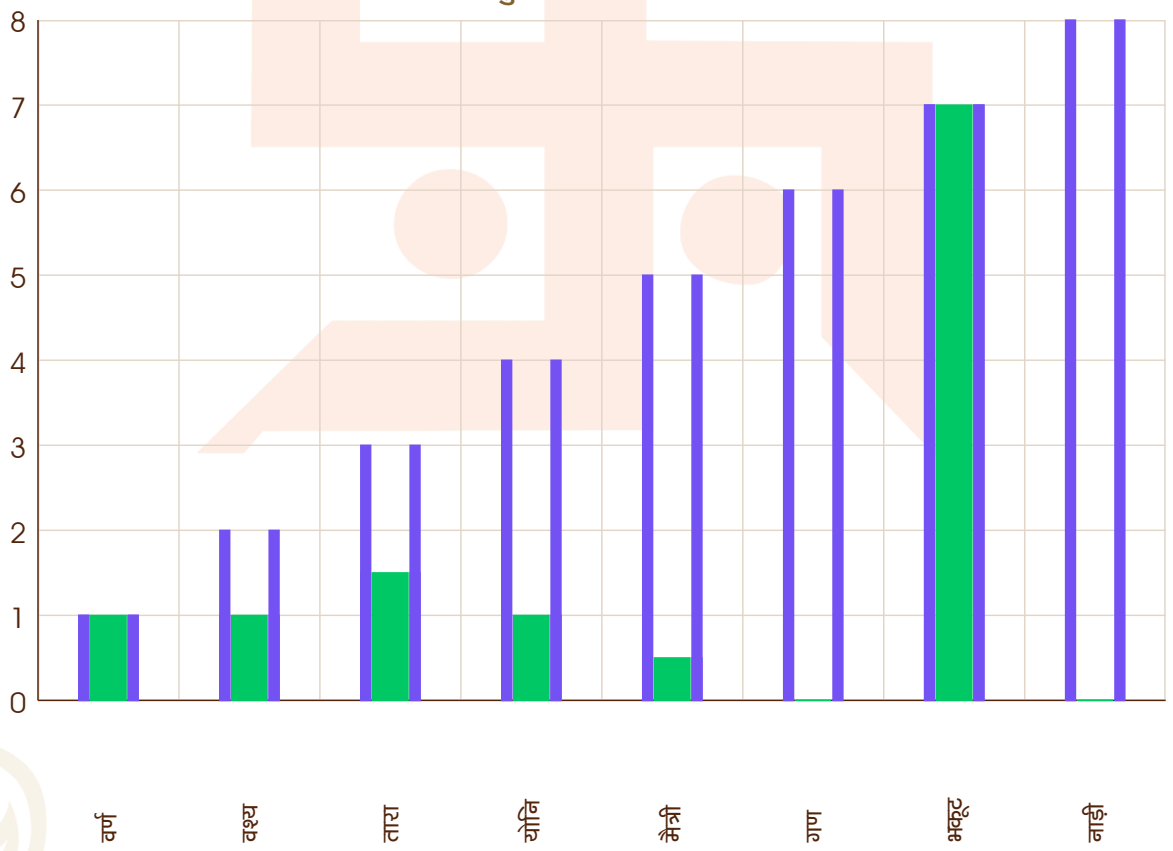

शर्मा डा.जगदीश
नव्यव्याकरणाचार्य एम.ए एम.फिल् पी- एच.डी. यू.जी.सी. स्कॉलर
7018169448
jagdish0069@gmail.com

अष्टकूट मिलान

गणदोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों मे मित्रता नहीं है।

नाड़ी दोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के नक्षत्र एवं राशियां भिन्न-2 है।

छप्ज्भै- का वर्ग सर्प है तथा M का वर्ग मेष है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार छप्ज्भै- और M का मिलान ठीक नहीं है।

मंगलीक दोष मिलान

छप्ज्भै- मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है।

M मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में नवम् भाव में स्थित है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि M कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

छप्ज्भै- तथा M में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

मिलान ठीक नहीं है क्योंकि अष्टकूट गुण नहीं मिलते हैं।

शर्मा डा.जगदीश
नव्यव्याकरणाचार्य एम.ए एम.फिल् पी- एच.डी. यू.जी.सी. स्कॉलर
7018169448
jagdish0069@gmail.com

अष्टकूट फलादेश

वर्ण

छप्ज्मैभ का वर्ण ब्राह्मण तथा M का वर्ण शूद्र है। अतः यह मिलान अति उत्तम है। M सभी को मान एवं प्रतिष्ठा देती है तथा सेवा करती रहेंगी। साथ ही वह सबकी अपेक्षाओं को पूरा करती रहेंगी तथा किसी के भी साथ तर्क-वितर्क नहीं करेंगी। M एक नर्स की भाँति अपने पति एवं बच्चों की सेवा एवं तिमारदारी करती रहेंगी।

वश्य

छप्ज्मैभ का वश्य कीट है एवं M का वश्य द्विपद है। जिसके कारण यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। कीट छप्ज्मैभ एवं मनुष्य M के विवाह को स्वीकार्यहै किंतु दोनों के बीच हितों का संघर्ष होता रहेगा एवं सहयोग एवं आपसी समझ की कमी बनी रहेगी। कभी कभी परस्पर शत्रुता की भावना भी विकसित हो सकती है। जो इनके दांपत्य जीवन को बाधित कर सकता है तथा विकास एवं समृद्धि को प्रभावित कर सकता है। छप्ज्मैभ एवं M बीच अक्सर लड़ाई-झगड़े होते रहेंगे तथा कटुता, संदेह एवं तनाव का माहौल बना रह सकता है।

तारा

छप्ज्मैभ की तारा विपत तथा M की तारा मित्र है। छप्ज्मैभ की तारा विपत होने के कारण यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। छप्ज्मैभ एवं छप्ज्मैभ के परिवार के लिए यह विवाह कष्टदायक हो सकता है तथा जिसके परिणामस्वरूप कष्ट, हानि एवं विपत्ति की संभावना बनी रहेगी। यद्यपि M हमेशा अपने पति एवं परिवार के लिए सहयोगी एवं मददगार बनी रहेगी किंतु अपने पति के दुर्भाग्य का शिकार होकर M को भी कष्ट झेलना पड़ सकता है। दुर्भाग्यवश बच्चे भी एवं विपन्नता का शिकार हो सकते हैं।

योनि

छप्ज्मैभ की योनि मृग है तथा M की योनि सिंह है। अर्थात दोनों की योनि समान नहीं है। इन दोनों योनि के बीच सामान्य वैर है। अतः यह मिलान अच्छा मिलान न होकर बुरा मिलान ही रहेगा। जिसके कारण दोनों की रुचि एवं पसंद नापसंद अलग- अलग ही होंगी। इनके वैवाहिक एवं पारिवारिक जीवन में अक्सर लड़ाई झगड़े हो सकते हैं। कभी- कभी लड़ाई झगड़ा घरेलू हिंसा का रूप भी ले सकता है। लड़ाई झगड़े के कारण पारिवारिक माहौल तनावपूर्ण एवं कलेशपूर्वक ही रहेगा। दोनों कभी कभी एक दूसरे पर हिंसक आक्रमण भी कर सकते हैं। दोनों के बीच झगड़े का कारण बुद्धिमत्ता एवं परस्पर समझदारी की कमी ही हो सकती है। यदि समझदारी और समझबूझ से काम न लिया गया तो कुछ समय अंतराल पर यह स्थिति मुकदमेबाजी तक भी पहुंच सकती है। इस प्रकार परस्पर प्रेम एवं सौहार्द्र की भावना का अभाव ही रहेगा। साथ ही दोनों के बीच अविश्वास की भावना भी रह सकती है। कभी-कभी धनहानि होने की भी संभावना होगी। अतः यदि दोनों परस्पर समझदारी एवं बुद्धि से काम लें तो स्थिति को सुधारा भी जा सकता है। परस्पर लड़ाई झगड़े और वैचारिक मतभेद रहने के कारण परिवार

शर्मा डा.जगदीश
नव्यव्याकरणाचार्य एम.ए एम.फिल् पी- एच.डी. यू.जी.सी. स्कॉलर
7018169448
jagdish0069@gmail.com

में सुख समृद्धि का अभाव ही देखने को मिलेगा। इस प्रकार वैवाहिक जीवन संघर्षपूर्ण व कलेशपूर्वक बीतने की संभावना है अतः सतर्कता बरतें।

मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में छप्ज्जैभ्‍ का राशि स्वामी M के राशि स्वामी से सम का संबंध रखता है। जबकि M का राशि स्वामी छप्ज्जैभ्‍ के राशि स्वामी के साथ शत्रु का संबंध रखता है। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से खराब मिलान है। ज्योतिष की दृष्टि से यदि एक साथी का राशि स्वामी दूसरे के लिए सम किंतु दूसरा उसे शत्रु मानता हो तो ऐसा कुंडली मिलान अच्छा नहीं माना जाता है। दोनों के बीच अक्सर लड़ाई-झगड़ा, तनाव, मतभेद, एवं बहसबाजी का भाव बना रह सकता है। ऐसा भी हो सकता है कि यह बहस कभी-कभी हिंसक रूप धारण कर ले। जिससे शारीरिक चोट एवं मुकदमेबाजी के कारण आर्थिक हानि हो सकती है।

गण

छप्ज्जैभ्‍ का गण राक्षस है तथा M का गण मनुष्य है। अर्थात M का गण छप्ज्जैभ्‍ के गण से श्रेष्ठ है। अतः यह मिलान बहुत बुरा मिलान रहेगा। ज्योतिषीय दृष्टि से यह संबंध अधिक दिनों तक नहीं रहने वाला होगा। दोनों के वैचारिक मतभेद परिवार के सदस्यों के जीवन को अशांत बना सकते हैं। ऐसा विवाह त्याज्य है।

भकूट

छप्ज्जैभ्‍ से M की राशि चतुर्थ भाव में स्थित है तथा M से छप्ज्जैभ्‍ की राशि दशम भाव में स्थित है जिसके कारण यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके कारण छप्ज्जैभ्‍ परिश्रमी एवं अपने व्यवसाय में काफी अच्छे होंगे। अपने व्यवसाय में लगन, निष्ठा एवं मेहनत के कारण उन्हें सभी से प्रशंसा प्राप्त होती रहेगी। दूसरी ओर M घरेलू होंगी। अपने आतिथ्य भाव एवं सब का ध्यान रखने तथा बड़ों को सम्मान देने की प्रवृत्ति कारण परिवार के सदस्यों की आंखों का तारा होंगी। पति-पत्नी के बीच असीम प्रेम, सहयोग एवं सामंजस्य बना रहेगा।

नाड़ी

छप्ज्जैभ्‍ की नाड़ी आद्य है तथा M की नाड़ी भी आद्य है। अर्थात दोनों की नाड़ी समान है, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोषपूर्ण है। अर्थात यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। छप्ज्जैभ्‍ एवं M दोनों की आद्य नाड़ी होने से, दम्पत्ति वात से संबंधित बीमारियों एवं रोगों के शिकार हो सकते हैं। ज्योतिषीय दृष्टि से ऐसे दम्पत्ति जिनकी नाड़ी एक ही हों, उनकी संतानें रक्ताल्पता, रक्त में हीमोग्लोबिन की कमी का शिकार हो सकते हैं। वे पढ़ाई एवं कार्य में संकेन्द्रण की कमी जैसी व्याधियों एवं परेशानियों के शिकार हो सकते हैं अथवा बचपन या किशोरावस्था में ही उनकी मृत्यु हो सकती है।

शर्मा डा.जगदीश
नव्यव्याकरणाचार्य एम.ए एम.फिल् पी- एच.डी. यू.जी.सी. स्का ॅलर
7018169448
jagdish0069@gmail.com

मेलापक फलित

स्वभाव

छप्ज्जैभ्‍ की राशि जलतत्व युक्त वृश्चिक तथा M की वायुतत्व युक्त कुम्भ राशि है। वायु एवं जल तत्व की नैसर्गिक विषमता के कारण छप्ज्जैभ्‍ और M में स्वाभाविक रूप से असमानता रहेगी। अतः संबंधों में तनाव रहेगा जिससे दाम्पत्य सुख में न्यूनता रहेगी। अतः यह मिलान अच्छा नहीं रहेगा ।

छप्ज्जैभ्‍ की राशि का स्वामी मंगल तथा M की राशि का स्वामी शनि परस्पर शत्रु एवं सम राशि में स्थित हैं। सुखी वैवाहिक जीवन के लिए यह ग्रह स्थिति अच्छी नहीं रहेगी। अतः इसके प्रभाव से आपसी संबंधों में कटुता का भाव रहेगा एवं एक दूसरे को सुख दुख में सहयोग प्रदान करने में भी किसी की विशेष रूचि नहीं होगी। साथ ही एक दूसरे के गुणों की उपेक्षा करके छप्ज्जैभ्‍ और M कमियों पर विशेष ध्यान देंगे जिससे परस्पर आलोचनात्मक दृष्टि कोण रहेगा। अतः वैवाहिक जीवन में शुभता अल्प मात्रा में ही होगी ।

छप्ज्जैभ्‍ और M की राशियां परस्पर चतुर्थ एवं दशम भाव में पड़ती हैं। शास्त्रानुसार यह शुभ भकूट माना जाता है। इससे उपरोक्त अशुभ प्रभावों में न्यूनता आएगी तथा छप्ज्जैभ्‍ और M परस्पर प्रेम सहयोग तथा सहानुभूति का भाव रखेंगे। साथ ही कमियों की अपेक्षा गुणों की प्रशंसा करके संबंधों में मधुरता का भाव उत्पन्न करेंगे जिससे दाम्पत्य सुख में प्रसन्नता की अनुभूति होगी। अतः परस्पर सामंजस्य से छप्ज्जैभ्‍ और M का जीवन सुखी हो सकता है।

छप्ज्जैभ्‍ का वश्य कीट तथा M का वश्य मानव है। मानव एवं कीट में नैसर्गिक विषमता होने के कारण इनकी अभिरूचियों में अंतर रहेगा तथा शारीरिक मानसिक एवं भावनात्मक स्तर पर भी आवश्यकताएं भिन्न रहेंगी। अतः दाम्पत्य संबंधों में भी एक दूसरे को प्रसन्न तथा सन्तुष्ट करने में असमर्थ होंगे।

छप्ज्जैभ्‍ का वर्ण ब्राह्मण तथा M का वर्ण शूद्र है। अतः छप्ज्जैभ्‍ की प्रवृति शैक्षणिक एवं धार्मिक कार्यो में रहेगी जबकि M किसी भी कार्य को ईमानदारी तथा परिश्रम से सम्पन्न करने में तत्पर रहेंगी।

धन

छप्ज्जैभ्‍ और M दोनों की तारा परस्पर सम है। अतः आर्थिक स्थिति पर इसका कोई विशेष प्रभाव नहीं होगा तथा सामान्य गति से धन एवं लाभ अर्जित करने में दोनों तत्पर रहेंगे। भकूट भी सम ही रहेगा जिससे उनके लाभमार्ग स्वबुद्धिमता एवं परिश्रम से प्रशस्त रहेंगे। मंगल का भी उनकी आर्थिक स्थिति पर कोई दुष्प्रभाव नहीं होगा। इस प्रकार उनके अर्थिक स्तर पर कोई विशेष नाटकीय परिवर्तन की संभावना नहीं होगी परन्तु सामान्य जीवन धनऐश्वर्य से युक्त होकर व्यतीत होगा।

शर्मा डा.जगदीश
नव्यव्याकरणाचार्य एम.ए एम.फिल् पी- एच.डी. यू.जी.सी. स्कॉलर
7018169448
jagdish0069@gmail.com

इसके साथ ही कोई विशेष या अचानक लाभ के योगों में भी न्यूनता होगी तथा आर्थिक स्तर अपने ही अनुकूल रहेगा जिससे वे आर्थिक रूप से सन्तुष्टि की अनुभूति करेंगे।

स्वास्थ्य

छप्ज्भै और M दोनों ही आद्य नाड़ी में हुए है। यद्यपि सामान्य रूप से यह नाड़ी दोष बनता है जिससे इनका स्वास्थ्य खराब हो सकता है परन्तु इनका जन्म अलग अलग नक्षत्रों में हुआ है तथा इनकी राशि का स्वामी एक ही ग्रह है। अतः इससे नाड़ी दोष समाप्त हो जाता है परन्तु M के स्वास्थ्य पर मंगल का दुष्प्रभाव होगा तथा साथ ही मासिक धर्म संबंधी अनियमिता से भी वे कष्ट की प्राप्ति करेंगी। अतः मंगल के इस दुष्प्रभाव को कम करने के लिए M को नियमित रूप से हनुमानजी की उपासना करनी चाहिए तथा मंगलवार के उपवास भी करने चाहिए।

संतान

संतति प्राप्ति की दृष्टि से छप्ज्भै और M का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से उन्हें उचित समय पर संतति की प्राप्ति होगी तथा इसमें अनावश्यक विलम्ब भी नहीं होगा। साथ ही बच्चों के जन्म में भी सामान्य अंतर रहेगा जिससे उनका पालन पोषण उचित ढंग से करने में आसानी रहेगी। इसके अतिरिक्त छप्ज्भै और M के पुत्र एवं कन्या संतति की संख्या समान होगी।

प्रसव के विषय में M के मन में पहले से ही अनावश्यक भय की अनुभूति रहेगी लेकिन M को इस विषय में किसी भी प्रकार की चिन्ता नहीं करनी चाहिए तथा सामान्य रूप से गर्भावस्था का समय व्यतीत करना चाहिए। प्रसव काल में M को प्रसूति या अन्य किसी भी प्रकार की चिकित्सा की आवश्यकता नहीं पड़ेगी तथा सुदंर स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में सफल होंगी। साथ ही स्वयं भी स्वस्थ एवं प्रसन्नता की अनुभूति करेंगी।

संतति पक्ष से छप्ज्भै और M सन्तुष्ट तथा प्रसन्न रहेंगे तथा बच्चे अपने क्षेत्र में अपनी बुद्धिमता तथा योग्यता से उन्नतिमार्ग पर अग्रसर होंगे। साथ ही व्यवहार कुशलता का गुण भी उनमें विद्यमान रहेगा। माता पिता के प्रति उनका पूर्ण आदर तथा आज्ञापालन का भाव रहेगा तथा उनकी इच्छा के विरूद्ध वे कोई भी कार्य सम्पन्न नहीं करेंगे। इस प्रकार छप्ज्भै और M का पारिवारिक जीवन सुख शांति तथा प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

ससुराल-सुश्री

M के सास से प्रायः अच्छे संबध रहेंगे। यद्यपि उनकी सास अन्य जनों के मामलों में कम ही हस्तक्षेप करने वाली महिला होंगी तथापि उनके कुछ सिद्धांत M के लिए अनुकरणीय हो सकते है। साथ ही इन दोनों के मध्य कोई विशेष समस्या या मतभेद नहीं रहेंगे।

M अपने कुशल व्यवहार मधुर वाणी एवं सेवा भाव से ससुर को प्रसन्न एवं सन्तुष्ट करने में सफलता प्राप्त करेंगी। साथ ही ननद एवं देवरों के साथ भी उनके संबध मित्रता पूर्ण रहेंगे तथा उनको पूर्ण सहयोग एवं स्नेह प्रदान करेंगी। अतः उनका दिल जीतने में सफल रहेंगी।

शर्मा डा.जगदीश
नव्यव्याकरणाचार्य एम.ए एम.फिल् पी- एच.डी. यू.जी.सी. स्कॉलर
7018169448
jagdish0069@gmail.com

इस प्रकार M के प्रति उनके सास ससुर का दृष्टि कोण आत्मयीता से पूर्ण रहेगा तथा घर में उसे पूर्ण सुख सुविधा तथा स्नेह प्रदान करेंगे।

ससुराल-श्री

छप्ज्भै- के सास के साथ सामान्यतया अच्छे ही संबध रहेंगे तथा उनके प्रति इनके मन में सम्मान तथा आदर का भाव सर्वदा विद्यमान रहेगा। सास को वह माता के समान समझेंगे तथा वह भी उन्हें पुत्रवत स्नेह तथा सहयोग प्रदान करेंगी । साथ ही छप्ज्भै- भी समय समय पर ससुराल में आते जाते रहेंगे तथा आपस में श्रेष्ठता के भाव की हमेशा न्यूनता रहेगी।

लेकिन ससुर के साथ में सामान्यतया संबधों में तनाव रहेगा तथा आयु में पर्याप्त अंतर के कारण वैचारिक मतभेद भी रहेंगे परन्तु यदि दोनों सामंजस्य की प्रवृति का अनुपालन करें तो संबधों में मधुरता का भाव आ सकता है। साथ ही साले एवं सालियों से भी छप्ज्भै- के संबध अच्छे नहीं रहेंगे तथा परस्पर स्नेह एवं सहयोग के भाव की न्यूनता रहेगी एवं प्रतिद्वन्दिता का भाव भी विद्यमान रहेगा। इस प्रकार ससुराल पक्ष का दृष्टिकोण छप्ज्भै- के प्रति विशेष उल्लेखनीय नहीं रहेगा।

शर्मा डा.जगदीश
नव्यव्याकरणाचार्य एम.ए एम.फिल् पी- एच.डी. यू.जी.सी. स्कॉलर
7018169448
jagdish0069@gmail.com